अफवाहों की जांच शुरू, स्कूलों ने भी की तैयारी

बुधवार को स्कूलों को एक जैसा धमकी भरा ईमेल मिला, जिसमें दावा किया गया कि उनके परिसर में विस्फोटक है। इसके बाद पूरी दिल्ली में अफरातफरी मच गई

ईमेल और मेसेज शेयर करने वालों की पहचान में जुटी पुलिस

Message

■ विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

- दो एंगल पर टिकी स्पेशल सेल की जांच, दिल्ली पुलिस के अलावा सेंट्रल एजेंसियां भी जांच में जुटीं
- आईपीसी 505/507 और 120 बी के तहत स्पेशल सेल ने एफआईआर दर्ज की
- माना जा रहा है कि बम की धमकी भरे ई-मेल के बाद अफवाह वाले मेसेज को सोशल मीडिया पर भेजे गए

दिल्ली-एनसीआर के 200 से अधिक स्कूलों को ईमेल भेजकर बम की धमकी के मामले में स्पेशल सेल की जांच रफ्तार पकड़ चुकी है। एक पुलिस अफसर ने बताया कि जांच दो दिशाओं में चल रही है। इनमें एक ईमेल मिलने और दूसरा धमकी के बाद ऑडियो और टेक्स्ट मेसेज तेजी से शेयर कर पैनिक फैलाने का मामला शामिल है। स्पेशल सेल ने आईपीसी 505/507 और 120 बी के तहत एफआईआर दर्ज की है। इस केस की दिल्ली पुलिस के अलावा सेंट्रल एजेंसियां भी जांच में जुटी हैं।

मामला सेंसिटिव होने की वजह से पुलिस अफसर केस अंडर इन्वेस्टिगेशन का हवाला देकर कुछ भी बोलने से बच रहे हैं। मगर पुलिस अफसर इतना दावा कर रहे हैं कि अब तक की जांच के बाद यह बात तो साफ है कि देश का माहौल खराब करने और दहशत फैलाने की नीयत से मंगलवार और बुधवार को दिल्ली-एनसीआर में बम के ईमेल भेजे गए थे। पुलिस अफसर ने इस बात की भी संभावना जताई कि ई-मेल भेजने और अफवाह भरे मेसेज भेजने वाले एक ही ग्रुप के लोग हो सकते हैं। पुलिस सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म को मेल भेजकर ऑडियो और टेक्स्ट मेसेज भेजने वाले फर्स्ट सेंडर का पता लगाने की कोशिश कर रही है। माना जा रहा है कि बम की धमकी भरे ई-मेल के बाद इन मेसेज को प्लान कर सोशल मीडिया पर भेजे गए। दिल्ली पुलिस अब इस दिशा में भी तफ्तीश कर रही है।

सूत्रों ने बताया कि इससे पहले भी एक स्कूल में धमकी भरे ईमेल मामले में रशिया का कनेक्शन सामने आ चुका है। 28 नवंबर 2022 और 12 अप्रैल 2023 को सादिक नगर में इंडियन स्कूल को ईमेल के जरिए धमकी मिली थी। हालांकि जांच बेनतीजा रही। इस संबंध में इंटरपोल की जांच में रशिया कनेक्शन सामने आया था। ये धमकी भी jhonmaddison77@rambler.ru मेल ID से आई थी। इस बार आई धमकी का पैटर्न 2023 में आए मेल से मिलता जुलता है। उस समय 25 मई 2023 को मास्को एनसीबी की तरफ से जवाब दिया गया था कि धमकी के लिए जिस ईमेल आईडी का इस्तेमाल हुआ, उसका IP एड्रेस ऑस्ट्रिया में लोकेट हुआ है। इसके अलावा 28 नवंबर 2022 को इसी इंडियन स्कूल को आए धमकी भरे ईमेल की जांच में खुलासा हुआ था कि जिस ईमेल ID johnfoster@tutanota.com से धमकी मिली उसका IEMI और android ID दोनों जर्मनी के थे। उस दौरान इंटरपोल के जरिए जर्मनी से मिले जवाब में पता चला कि इस IMEI और Android ID का कोई रिकॉर्ड उनके पास मौजूद नहीं है। बुधवार को दिल्ली-एनसीआर के स्कूलों को एक जैसा धमकी भरा ईमेल मिला, जिसमें दावा किया गया कि उनके परिसर में विस्फोटक लगाए गए हैं। इसके बाद इन स्कूलों और इसके आसपास के इलाकों में अफरातफरी मच गई।

ये स्टेप लिए तो नहीं मची अफरा-तफरी

1. स्टूडेंट्स को कहा कि मॉक ड्रिल है और खुले मैदान तक लेकर आए
2. पैरेंट्स को मेसेज किए कि बिल्कुल घबराएं नहीं, बच्चे सेफ हैं
3. ईमेल मिलने के बाद बिना देरी किए पुलिस और फायर डिपार्टमेंट को सूचना दी
4. छोटे बच्चों को सेफ्टी के साथ निकालने के लिए एक्स्ट्रा स्टाफ लगाया
5. पैरेंट्स, स्टाफ और पुलिस के साथ मिलकर एविक्शन प्रोसेस को स्मूद बनाया

आगे के लिए स्कूल बना रहे ये प्लान

1. आगे ऐसी सिचुएशन के लिए पहले से सबको ट्रेनिंग देंगे कि किसे क्या करना है
2. टीचर, स्टाफ से लेकर स्टूडेंट्स और पैरेंट्स को भी ट्रेनिंग और ड्रिल में शामिल करेंगे
3. बच्चों को हर महीने स्कूल में करवाई जाने वाली डिजास्टर मैनेजमेंट ड्रिल में शामिल करेंगे
4. ऐसे स्थिति में पैरेंट्स पैनिक न हो और स्कूल में भीड़ ने लगे इसके लिए तैयारी करेंगे
5. स्कूल में आने वाले पैरेंट्स, वैन ड्राइवर व अन्य लोगों को सुरक्षा जांच की जाएगी

दिल्ली की खबरों के लिए टेलिग्राम पर फॉलो करें
t.me/nbtdilli

काम शुरू, बम की अफवाह के बाद स्कूलों ने लिए कई सबक

■ विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

बम की अफवाह के बाद मची अफरा-तफरी के बीच बुधवार को स्कूलों ने चीजों को बेहतर तरीके से मैनेज किया। अब गुरुवार को कई स्कूलों ने डरे हुए पैरेंट्स के कॉन्फिडेंस को बढ़ाने के लिए इमरजेंसी प्लान पर काम शुरू कर दिया है। स्कूलों के अनुसार पैरेंट्स के साथ अपने इमरजेंसी प्लान को शेयर करेंगे। जरूरत पड़ने पर मॉक ड्रिल में पैरेंट्स को भी शामिल करेंगे। हालांकि बुधवार को मची अफरातफरी के बाद कई स्कूल गुरुवार को ऑनलाइन मोड पर चले। जो स्कूल खुले वहां भी स्टूडेंट्स कम आए।

'मॉक ड्रिल और चार्टर कर रहे तैयार'

साकेत के एमिटी इंटरनैशनल स्कूल की प्रिंसिपल दिव्या भाटिया ने बताया कि सुबह असेंबली में स्टूडेंट्स को बुधवार की घटना की ब्रीफिंग की गई। हमने डिजास्टर मैनेजमेंट चार्टर बनाया हुआ है। हमारा स्टूडेंट काउंसिल आने वाले समय में इस तरह की धमकी को लेकर भी मॉक ड्रिल व चार्टर बना रहे हैं। पुलिस ने कैंपस की पूरी तरह जांच की है और हमने भी ऐतियात के तौर पर गेट पर सिक्युरिटी कड़ी कर दी है। पैरेंट्स के लिए भी डूज़ और डोंट्स बनाए जा रहे हैं। इसे जल्द ही पैरेंट्स के साथ शेयर किया जाएगा। बुधवार को स्कूल में इविक्शन स्मूथ रहा। उन्होंने बताया कि गुरुवार को स्टूडेंट्स थोड़े कम आए, लेकिन संख्या बहुत अधिक कम नहीं रही। पैरेंट्स स्कूल को पूरी तरह सपोर्ट कर रहे हैं।

'बच्चों को नहीं बताया धमकी के बारे में'

शालीमार बाग के मॉडर्न पब्लिक स्कूल की प्रिंसिपल डॉ. अल्का कपूर ने बताया कि स्टूडेंट्स की अटेंडेंस पर काफी असर दिखा है। गुरुवार को सिर्फ 70 प्रतिशत अटेंडेंस थी। हमने सबक लिया है कि स्कूलों में अगर इस तरह की घटनाओं को सही तरीके से मैनेज न किया जाए तो इसका बच्चों पर काफी गलत असर पड़ता है। हमारे स्कूल ने स्थिति को बेहतर मैनेज किया। हमने बच्चों को पता नहीं लगने दिया कि कोई बम की धमकी है। बच्चों को हर महीने स्कूल में करवाई जाने वाली डिजास्टर मैनेजमेंट ड्रिल से इविक्शन की प्रक्रिया आसान रही। स्टूडेंट्स को हम ड्रिल बताकर मैदान तक लाए।

'डिजास्टर मैनेजमेंट है करिकुलम का हिस्सा'

द्वारका के श्री वेंक्टेश्वर इंटरनैशनल स्कूल ने पैरेंट्स को एडवाइजरी जारी की। एडवाइजरी में पैरेंट्स को बताया कि बच्चों की सुरक्षा के लिए स्कूल ऑफिस के अपॉइंटमेंट के लिए पैरेंट्स या विजिटर स्कूल कैंपस में एंट्री नहीं करेंगे। पैरेंट्स के पास विजिटर कार्ड या आईडी कार्ड होना चाहिए। बच्चों को भी स्कूल में हर समय आई कार्ड पहनना होगा। वैन के ड्राइवरों को बच्चे प्ले एरिया में हैंडओवर किए जाएंगे। स्कूल बिल्डिंग के अंदर उन्हें एंट्री नहीं दी जाएगी। जो स्टूडेंट्स पैदल घर जाते हैं उनके पैरेंट्स ही आईकार्ड के साथ स्कूल के अंदर आ सकेंगे। डिजास्टर मैनेजमेंट ट्रेनिंग स्कूल करिकुलम का जरूरी हिस्सा है। स्टाफ की ट्रेनिंग को और कड़ा किया जाएगा। इसके साथ ही कई अन्य जरूरी टिप्स पैरेंट्स को दिए गए हैं।

'पहले से तैयार प्लान से मिली मदद'

मयूर विहार के एल्कॉन स्कूल के प्रिंसिपल संजय यादव ने बताया कि स्कूल में मॉक ड्रिल किए जाते हैं। स्कूल ने स्टूडेंट्स को पैनिक नहीं होने दिया। सिचुएशन को बेहतर तरीके से हैंडल किया। स्कूल के इमरजेंसी प्लान पहले ही तैयार हैं। छोटे बच्चों के पैरेंट्स में थोड़ा खौफ दिखा। स्कूल को ऑनलाइन मोड पर चलाया गया है। हम बुधवार को पैरेंट्स के भी पूरी तरह संपर्क में रहे। उनके पास मेसेज के जरिए पूरी तरह कम्युनिकेशन किया गया। अब तक अपने सभी इमरजेंसी प्लान के बारे में पैरेंट्स को जानकारियां देंगे ताकि वह भी यह जान सकें कि उनके बच्चे स्कूल में पूरी तरह सुरक्षित है। साथ ही जरूरत पड़ने पर पैरेंट्स को मॉक ड्रिल में भी शामिल किया जा सकता है।

200 से ज़्यादा जगह पर मिले बम तो निपटेंगे कैसे?

Shanker.Singh@timesgroup.com

■ **नई दिल्ली:** राजधानी के 200 से ज्यादा स्कूलों में बम होने की हॉक्स ई-मेल से बुधवार को हड़कंप मच गया था। पुलिस का दावा था कि उसकी बम डिटेक्शन टीम (BDT) और बम डिस्पोजल स्क्वॉड (BDS) ने हर जगह छानबीन की, लेकिन कहीं भी कुछ आपत्तिजनक नहीं मिला। क्या वाकई दिल्ली पुलिस के पास इतने संसाधन हैं कि वो एक साथ 200 से ज्यादा जगह पर बम खोजने का सर्च ऑपरेशन चला सकती है? अगर दिल्ली पुलिस के पास मौजूदा संसाधनों की बात करें तो ये मुमकिन नहीं दिख रहा है।

दिल्ली को लॉ एंड ऑर्डर के लिहाज से पुलिस ने छह रेंज में बांट रखा है। एक रेंज में दो से तीन जिले हैं। दिल्ली में कुल 15 जिले हैं। पुलिस सूत्रों ने बताया कि हर जिले में एक बीडीटी है, जिसमें ड्राइवर समेत सात ट्रेंड पुलिसकर्मियों का स्टाफ है। अगर किसी स्कूल या बड़े ऑफिस में बम रखे होने की कॉल मिलती है तो सर्च अभियान में दो से तीन घंटे लग जाते हैं। अगर बम डिटेक्ट नहीं होता है तो कोई बात नहीं। लेकिन अगर बम पाया जाता है तो तुरंत बम डिस्पोजल स्क्वॉड को बुलाया जाता है। ये पूरे रेंज में सिर्फ एक होती है। यानी दो या तीन जिलों के पास सिर्फ एक बीडीएस है।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि क्राइम ब्रांच सभी बीडीटी और बीडीएस की नोडल एजेंसी है। इसके पास अपनी खुद की भी अलग बीडीएस और बीडीटी है। इसके अलावा ट्रांसपोर्ट रेंज के तहत आने वाले रेलवे, मेट्रो और एयरपोर्ट पुलिस के पास भी अपने-अपने बीडीटी और बीडीएस हैं। इस तरह से देखा जाए तो दिल्ली पुलिस के पास बम डिटेक्ट करने वाली कुल 19 टीमें हैं, जबकि बम पाए जाने पर उसे डिफ्यूज करने वाली सिर्फ 10 टीमें हैं। सूत्रों ने बताया कि बीडीटी और बीडीएस की टीमों ने बुधवार को अलग-अलग सर्च अभियान चलाए थे, जिनमें एक जगह पर दो से तीन घंटे लग गए थे। सभी कॉल अटेंड नहीं हो सके थे।

एक पुलिस अफसर ने बताया कि मंगलवार को राष्ट्रपति भवन समेत 103 जगह पर बम होने का हॉक्स ई-मेल आ चुका था। इसलिए सभी स्कूलों में एक साथ बम होने की कॉल आने लगी तो लग गया था कि ये भी हॉक्स ही हैं। हालांकि लोकल पुलिस और बाकी टीमों ने को-ऑर्डिनेशन कर हालात को संभाला। दिल्ली में ज्यादा जगह बम रखे जाने के हालात में आर्मी और पैरा मिलिट्री फोर्सेज (CRPF, CISF और BSF) की मदद ली जा सकती है। जी20 समिट के दौरान सबको मिलाकर 250 बीडीटी और 50 बीडीएस का गठन किया गया था, जिन्हें इमर्जेंसी होने पर कभी भी दिल्ली में उतारा जा सकता है।

NSG के दिल्ली में चले हालिया ऑपरेशन

14 जनवरी 2002: ईस्ट दिल्ली के गाजीपुर फूल मंडी के गेट पर इंप्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (IED) यानी जुगाड़ू विस्फोटक यंत्र भरा बैग मिला था। नैशनल सिक्योरिटी गार्ड (NSG) ने वहीं खाली मैदान में गड्ढा खोदकर कंट्रोल्ड ब्लास्ट कर नष्ट किया था। बड़ा ब्लास्ट हुआ।

17 फरवरी 2022: शाहदरा जिले के पुरानी सीमापुरी स्थित घर में मिले आईईडी को भी NSG ने दिलशाद गार्डन के जे एंड के और आई-पॉकेट के बीच डिस्ट्रिक्ट पार्क में पानी की बौछार के जरिए करंट छोड़कर डिफ्यूज किया था। इससे हल्का धमाका हुआ था।

बम की कॉल पर पुलिस का काम

1. कॉल को वेरिफाई किया जाता है
2. थाने से एक टीम मौके पर जाती है
3. जिले के BDT को कॉल करते हैं
4. बिल्डिंग को खाली कराया जाता है
5. इलाके की घेराबंदी की जाती है
6. एंट्री-एग्जिट क्लियर किया जाता है

BDT कैसे करती है छानबीन

1. स्निफर डॉग को बुलाया जाता है
2. EVD (M-ION) से करते हैं जांच
3. पानी में है तो FOS से करते हैं चेक
4. कबाड़ में प्रोडर से होती है जांच
5. सूटकेस पर थर्मल कटर चलाते हैं
6. तार काटने के लिए रिमोट कटर

BDS का काम कब होता है शुरू

1. बम मिलने पर BDS को होती है कॉल
2. हर रेंज में बम निष्क्रिय की एक टीम
3. ये पता लगाते हैं कैसा है एक्सप्लोसिव
4. आंका जाता है बम की इंटेनसिटी को
5. डिफ्यूज हो सकता है तो कर देते हैं
6. नहीं होने पर NSG की लेते हैं हेल्प

बम का पता लगाने के लिए इक्विपमेंट

1. **DSMD (डीप सर्च मेटल डिटेक्टर)** - दो फुट गहरे विस्फोटक का पता लगा सकता है।
2. **EVD (M-ION) -** एक्सप्लोसिव वेपर डिटेक्टर: ये बताता है कि कौन सा विस्फोटक है।
3. **प्रोडर:** बहुत सारे कबाड़ में से विस्फोटक को खोजने के लिए होता है।
4. **थर्मल कटर:** किसी सूटकेस या बंद चीज में बम होता है तो ये काटकर बाहर निकलता है।
5. रिमोट ऑपरेटर वायर कटर का इस्तेमाल 100 मीटर दूर से तार काटने के लिए होता है।
6. **के-9:** खोजी कुत्ते भी सूंघने के बाद बता देते हैं कि कहां विस्फोटक है।

NBT Lens — समझिए खबरों के अंदर की बात
सेफ्टी ऑडिट से सुरक्षित होंगे स्कूल!

अक्सर इस तरह की अफवाह के बाद स्कूल और अन्य संस्थान अलर्ट हो जाते हैं। लेकिन यह कुछ समय के लिए ही होती हैं। स्कूलों को अपना सीसीटीवी नेटवर्क दुरुस्त करना चाहिए। इसके अलावा कई स्कूल अपने कबाड़ जैसे टूटे बेंच और रद्दी आदि को स्कूल के पीछे कहीं स्टोर करके रखते हैं। यह जगह संदिग्ध चीज प्लांट करने के लिए संवेदनशील बन जाती है। स्कूलों में सुरक्षा के लिहाज से कई तरह की कमियां भी देखने को मिलती हैं। इनमें डॉर्क स्पॉट और कम रोशनी वाले एरिया शामिल हैं। स्कूलों का इस लिहाज से भी एक सेफ्टी ऑडिट होना चाहिए, ताकि आतंकी घटनाओं से तो स्कूल सुरक्षित हो ही जाएं।

कल चलेगी धूल भरी आंधी, हल्की बारिश की है संभावना

■ विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

AFP

अगले 3-4 दिनों में अधिकतम और न्यूनतम दोनों तापमान बढ़ेंगे

राजधानी दिल्ली में शनिवार को एक बार फिर तेज धूल भरी आंधी के बाद हल्की बारिश की संभावना है। वहीं दो दिन से सुहाने मौसम के बाद अब आज से गर्मी बढ़ेगी। 8 मई तक तापमान 41 डिग्री तक पहुंच सकता है। लू की संभावना फिलहाल नहीं है।

गुरुवार को अधिकतम तापमान 35.5 डिग्री रहा। यह सामान्य से 4 डिग्री कम रहा। वहीं न्यूनतम तापमान 19.3 डिग्री रहा। यह सामान्य से पांच डिग्री कम रहा। सुबह काफी सुहावनी रही। दोपहर में धूप खिली लेकिन ठंडी हवाएं भी चलती रही। हवा में नमी का स्तर 17 से 51 प्रतिशत रहा। अब शुक्रवार को आंशिक बादल रह सकते हैं। तेज हवाएं चलेंगी। इनकी गति 25 से 35 किलोमीटर प्रति घंटे के आसपास रहेगी। अधिकतम तापमान 38 और न्यूनतम तापमान 20 डिग्री तक रह सकता है। 4 मई को एक बार फिर तापमान 40 डिग्री तक पहुंच सकता है। न्यूनतम 22 डिग्री रहेंगे। आंशिक बादल छाए रहेंगे। शाम और रात के समय धूल भरी आंधी चलने की संभावना है। इस दौरान हवाओं की गति 35 से 45 किलोमीटर प्रति घंटे तक रह सकती है। इसके बाद हल्की बारिश की संभावना भी है। वहीं 5 से 8 मई के बीच अधिकतम तापमान 39 से 41 और न्यूनतम तापमान 21 से 24 डिग्री तक रह सकता है। वहीं स्काईमेट के अनुसार बीते पांच दिनों से तापमान सामान्य से नीचे बना हुआ है। पिछले कुछ दिनों के दौरान पहाड़ों में भारी बारिश और बर्फबारी हो रही है। इससे पहाड़ों के ढलानों से आ रही तेज हवाओं ने मौसम को आरामदायक बना रखा है। तेज सतही हवाओं ने सुबह सुहावनी है।

अगले 3-4 दिनों में अधिकतम और न्यूनतम दोनों तापमान बढ़ेंगे। 4 मई को कमजोर ट्रफ दिल्ली और पश्चिमी उत्तर प्रदेश तक फैल जाएगा। इस ट्रफ की वजह से प्री-मॉनसून बारिश और बौछारें शुरू होने की संभावना है।

मर्डर के आरोपी बदमाश को एनकाउंटर कर दबोचा

Encounter

■ **विस, नई दिल्ली :** मर्डर में वॉन्टेड एक बदमाश को सीलमपुर पुलिस ने एनकाउंटर के बाद दबोच लिया। दोनों तरफ से हुई फायरिंग में एक गोली बदमाश के पैर में लगी। आरोपी की शिनाख्त उमर (24) के तौर पर हुई है। पुलिस ने सिग्नेचर ब्रिज के पास न्यू उस्मानपुर थाना इलाके में गुरुवार सुबह ये एनकाउंटर किया। इससे पहले जिले के स्पेशल स्टाफ ने पिछले महीने इस हत्याकांड में शामिल तीन आरोपियों आरिफ उर्फ खालिद (22), अली फाहद (23) और अल-शेहजान उर्फ तोता (22) को भी एनकाउंटर में पकड़ा था। सेल्फ डिफेंस में चलाई गई गोलियों से तीनों बदमाश जख्मी हो गए थे।

पैर में गोली मार कर बदमाश को किया जख्मी

आरोपी उमर (24)

डीसीपी (नॉर्थ ईस्ट) डॉ. जॉय टिर्की ने बताया कि अरबाज उर्फ शाहबाज (24) और आबिद उर्फ भोंदू (22) पर पिछले महीने न्यू सीलमपुर की झुग्गियों में ताबड़तोड़ गोलियां चलाई गई थीं। इससे अरबाज की मौत हो गई, जबकि आबिद जख्मी हो गया था। इस मामले में चौहान बांगर निवासी उमर फरार चल रहा था। सीलमपुर थाने के एसएचओ सतविंदर राणा की देखरेख में बनी हेड कॉन्स्टेबल जयवीर, नवनेश, सुनील और सिपाही मनीष की टीम को इसके सिग्नेचर ब्रिज के पास तीसरे पुश्ते पर आने की सूचना मिली। बाइक पर आते हुए पुलिस टीम ने सुबह 7:15 बजे इसे सिग्नल देकर रोकने की कोशिश की। पुलिस का दावा है कि इसने पिस्टल निकाल कर फायर कर दिया। जवाबी फायरिंग में इसके पैर में गोली लग गई और इसे दबोच लिया गया। जांच में पता चला कि मृतक अरबाज गैंगस्टर छेनू का करीबी था, जिसका हत्या का ऑर्डर मंडोली जेल से सुहेल उर्फ चप्पल ने दिया था, जो गैंगस्टर हाशिम बाबा का खास है।

दंगे : आईबी अधिकारी की हत्या मामले में चार में से तीन को बेल

■ विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

AI Image

दिल्ली हाई कोर्ट ने गुरुवार को 2020 में नॉर्थ-ईस्ट दिल्ली दंगों के दौरान इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) के अधिकारी अंकित शर्मा की हत्या के मामले में आरोपी तीन लोगों, शोएब आलम, गुलफाम और जावेद को जमानत दे दी।

जस्टिस नवीन चावला ने हालांकि मामले में नाजिम नाम के एक अन्य आरोपी की जमानत याचिका खारिज कर दी। इस मामले में आम आदमी पार्टी के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन मुख्य आरोपी हैं। मृतक के पिता की शिकायत के आधार पर दयालपुर पुलिस थाने की पुलिस ने मौजूदा केस दर्ज किया था। दंगों के दौरान जब उनका बेटा लापता हो गया तो उन्होंने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। बाद में अंकित का शव एक नाले से बरामद किया गया। गुरु तेग बहादुर अस्पताल ने उन्हें मृत घोषित कर दिया था।

शिकायतकर्ता के बेटे अंकित शर्मा, इंटेलिजेंस ब्यूरो में काम करते थे। हादसे वाले दिन शाम को लगभग 5 बजे किराने का सामान और सामान्य घरेलू सामान खरीदने के लिए अपने घर से निकले थे।

पार्लर में घुसकर चाकू से हमला

Parlour

■ **विस, नई दिल्ली:** भजनपुरा में ब्यूटी पार्लर में घुसकर महिला पर चाकू से हमला कर दिया गया। आरोपी ने पुलिस को फोन कर वारदात की जानकारी दी। पुलिस को महिला खून से लथपथ हालत में मिलीं। आरोपी खून से सना चाकू लेकर बैठा था। महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने हत्या का प्रयास का केस दर्ज कर आरोपी दर्शन लाल सैनी को अरेस्ट कर लिया। पुलिस के मुताबिक, बुधवार सुबह 10:30 बजे ब्यूटी पार्लर में घुसकर महिला पर चाकू से हमले की सूचना मिली। शुरुआती जांच में पुलिस को पता चला कि रुपये के लेन-देन को लेकर वारदात को अंजाम दिया है।

OFFICE OF THE RETURNING OFFICER
THE DELHI STATE COOPERATIVE BANK LTD.
31, Netaji Subhash Marg, Daryaganj, New Delhi-110002, Tel: 41705038, E-mail: bkg.dscb@gmail.com

Election of the Managing Committee

It has been decided that last date of filing of nomination of authorised representative by member coop. societies to the Returning Officer has been extended till 04.05.2024 (2 p.m.).

AK Kaushal, Returning Officer